बड़ी राशि बन जाती है। बचत ही विकास का पहला कदम है।

- नियमित बचत द्धारा सदस्यों के आर्थिक स्तर में सुधार एवं सहयोग की भावना आपसी विश्वास तथा स्वालम्बन में बृद्धि।
- छोटे कर्ज समूह को आसानी से प्राप्त होना।
- बैंक से कर्ज मिलने में आसानी।
- आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं के निराकरण में समूह द्धारा मार्गदर्शन।
- आन्तरिक कर्ज से प्राप्त ब्याज का लाभ सभी सदस्यों को।

बैकों को लाभ -

- बैकिंग को अधिक लोगों तक बिना कोई अतिरिक्त लागत के पहुँचाना।
- अच्छी वसूली-सामूहिक दबाव से समूह सदस्य द्वारा जल्द कर्ज वापसी।
- सदयों की अल्प बचत द्वारा समूह के माध्यम से बड़ी रकम का जमा होना।
- समूह के संस्तुति पर गैर लक्ष्य लोगों को ऋण वितरण में बद्धि।
- जो ग्रामीण निर्धन अब तक बैंक सेवाओं से वंचित थे उन्हें बैंक सेवाओं के दायरे में लाया जा सकता है।

समाज को लाभ -

- समूह में संगठित होकर एक अच्छे समाज का निर्माण होता है।
- सामाजिक सुरक्षा।
- सामाजिक कुरीतियों में कमी से जीवन स्तर में सुधार।
- महिलाओं की विकास में सहभगिता।

समूह की नियमावली

(क) समूह की संरचना -

- समूह का नाम।
- एक परिवार से एक से ज्यादा सदस्य ना हो।
- समूह में १०-२० सदस्य होने चाहिये।

(ख) बैठक -

- समूह की बैठक नियमित हो।
- बैठक का दिन व तारीख निश्चित हो।
- आकस्मिक बैठक विशेष परिस्थिति में बुलाई जा सकती है।
- बैठक में ना आने पर जुर्माना समूह तय करेगी।

(ग) बचत -

- बचत की राशि सभी सदस्यों के लिए समान होनी चाहिए।
- बचत राशि की संदूक एक सदस्य के पास, चाभी दूसरे सदस्य के पास होनी चाहिए।

(घ) पदाधिकारी व बैंक में खाता-

- प्रबन्धकीय समिति, अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष का चयन तथा उनका कार्यकाल।
- बचत बैंक खाता समूह के नाम से खुलना चाहिए न की सदस्यों के व्यक्तिगत नाम से।
- बचत खाते के संचालन में समूह के सदस्य पदाधिकारी का नाम होना चाहिए।

समूह संचालकों के दायित्व -

समूह को आगे बढ़ाने के लिए सभी सदस्यों की बराबर जिम्मेदारी होती है। लेकिन फिर भी सर्वसम्मति से चुने गये संचालकों को निम्न विन्दुओं के प्रति